ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 23-11-2021

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2021-11-23 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2021-11-24	2021-11-25	2021-11-26	2021-11-27	2021-11-28
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	16.0	15.0	14.0	14.0	15.0
न्यूनतम तापमान(से.)	5.0	4.0	4.0	5.0	5.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	35	45	45	50	55
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	60	60	65	65	65
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6.0	6.0	4.0	4.0	4.0
पवन दिशा (डिग्री)	140	50	50	310	310
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	1	1	1	1

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी पांच दिनों में, मौसम साफ रहेगा। अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमश: 14.0 से 16.0 व 4.0 से 5.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा| हवा के 4.0-7.0 किमी/घंटे की गति से उत्तर-पूर्व व उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने का अनुमान है। ईआरएफएस के अनुसार, 28 नवम्बर से 4 दिसम्बर के दौरान राज्य में वर्षा, अधिकतम व न्यूनतम तापमान सामान्य रहने का अनुमान हैं।

सामान्य सलाहकार:

किसान भाई पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान और मौसम आधारित कृषि सलाह प्राप्त करने के लिए "मेघदूत ऐप" तथा आकाशीय बिजली के पूर्वानुमान हेतु "दामिनी एप" डाउनलोड करें। मेघदूत व दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ताओं) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ताओं) से डाउनलोड किया जा सकता है| भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त एनडीवीआई मानचित्रों ने संकेत दिया कि नैनीताल के लिए एनडीवीआई 0.2-0.45 के बीच है, यानी जिले में कृषि स्थिति मध्यम से अच्छी है। रबी की फसलों की बुवाई से पहले किसान अपने-अपने खेतों को अच्छी प्रकार से साफ-सुथरा करें तथा खेत में सड़े गोबर की खाद का उपयोग करें क्योंकि यह मृदा के भौतिक तथा जैविक गुणों को सुधारती है तथा मृदा की जल धारण क्षमता भी बढ़ाती है। पशुओं को सरदी से बचाव के लिए पशुघर का प्रबंध ठीक से करें।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी पांच दिनों में मौसम साफ रहेगा। फसलों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें। रबी फसलों का विभिन्न रोगो से बचाव हेतु, बुवाई से पूर्व बीज को उपचारित अवश्य करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	गेहूँ में पहली सिंचाई बुवाई के 20-25 दिन बाद मुख्य जड़ बनते समय (Crown Root Initiation) करनी चाहिए| इस समय गेहूं को सिंचाई की अति आवश्यकता होती है| सिंचाई पश्चात यूरिया की शेष आधी मात्रा (मुख्य जड़ बनते समय) देनी चाहिए। गेहूँ की विलम्ब दशा में बुवाई माह के द्वितीय पक्ष में कर सकते है।
सरसों	पीली सरसो की फसल एक माह की होने पर हल्की सिंचाई करें।
लहसुन	पिछले माह बोई गई फसल में निराई-गुड़ाई कर हल्की सिंचाई करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
टमाटर	इस समय किसान भाईयों की टमाटर की फसल में पछेती झुलसा रोग की समस्या देखी जा रही है अतः टमाटर की फसल में पछेती झुलसा रोग की रोकथाम हेतु मैन्कोज़ेब का 3ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। बीमारी बढ़ने पर कर्जेंट का 2.5 ग्राम प्रति लीटर का प्रयोग करें।
आम	मैदानी क्षेत्रों मेंअगर बगीचों की सफाई व जुताई न हुई हो तो इसे शीघ्रातीशीघ्र पूर्ण करें। जाला कीट का प्रकोप होने की दशा में जाला साफ करने वाले यंत्र से सफाई करें तथा क्लीनालफॉस 2 मि0ली0/ली0 के हिसाब से छिड़काव करें।
प्याज	भावर क्षेत्र में, रोपाई हेतु प्याज की 7-8 सप्ताह पुरानी पौध का प्रयोग करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	भैसों का मदकाल अक्टूबर-नवम्बर तक होता है, इसलिए इन महीनो में मादा भैंसों में मदकाल के लक्षणों का सुबह- शाम निरीक्षण करें, ताकि गर्भाधान की प्रक्रिया समय से सम्पन्न करायी जा सके